

बी.ए. प्रथम

शिवकालखंड

इ.स. १७०७ ते १८१८ सत्र पहिले पेपर क्र. १

प्रा. शिंदे अनिता व्यंकटराव

मराठ्यांच्या इतिहासाची भारतीय साधने -

मराठ्यांचा इतिहास जाणून घेण्यासाठी आणि मराठा सत्तेच्या उदयाची कारणमिमांसा करण्यापूर्वी मराठ्यांच्या इतिहासावर प्रकाश टाकण्यास सहाय्यभूत ठरणाऱ्या मराठ्यांच्या इतिहासाच्या साधनांचा विचार करणे प्रथमत: येथे प्रस्तुत ठरेल.

उपलब्ध साधनाचे दोन भागात वर्गीकरण करता येते.

- १) भारतीय भाषेतील साधने.
- २) परकीय भाषांतील साधने

भारतीय भाषांतील साधांमध्ये संस्कृत, मराठी, हिंदी, कानडी, तामिळ इ. भाषांतील साधनांचा तर परकीय भाषांतील साधनांत फारसी, इंग्रजी, पोर्तुगीज, इच, फ्रेंच या भाषांतील साधनांचा समावेश होतो.

- १) भारतीय भाषांतील साधने -

- अ) संस्कृत साधने -

- १) शिवभारत -

कविंद्र परमानंद हे 'शिवभारत' या काव्यग्रंथाचे लेखक आहेत. ते शिवाजी महाराजांसोबत आग्रा येथे गेले होते. या ग्रंथात भोसले घराण्यातील मालोजी राजापासून शिवाजी महाराजांच्या दक्षिण कोकण

ಕ್ರಿಷ್ಯಾತ್ಮಕ ಕಾವ್ಯಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ರೀತಿ ಶಿಖಿಸಿ

೨) ಅನುಪೂರಣ -

ಬೆಂಬುದ್ದಿನ ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ವಿಧಾನದಲ್ಲಿ "ಅನುಪೂರಣ" ಎಂದು ಅಂದಿನ ಮೂಲ ಗ್ರಹಗಳ ಸ್ಥಾನಗಳನ್ನು ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಸಿಕೊಂಡಿರುತ್ತಾರೆ.

೩) ರಾಧಾಮಾಧವ ವಿಲಾಸಂಚಪ್ -

ಈ ಉತ್ತರವು ಪ್ರಸ್ತಾವಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ವಿಧಾನದಲ್ಲಿ "ಅನುಪೂರಣ" ಎಂದು ಅಂದಿನ ಮೂಲ ಗ್ರಹಗಳ ಸ್ಥಾನಗಳನ್ನು ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಸಿಕೊಂಡಿರುತ್ತಾರೆ.

೪) ಪರ್ನಲಪರ್ವತ ಗ್ರಹಣಾಖ್ಯಾನ -

• ಪರ್ನಲಪರ್ವತ ಗ್ರಹಣಾಖ್ಯಾನ ಎಂದು ಅಂದಿನ ಮೂಲ ಗ್ರಹಗಳ ಸ್ಥಾನಗಳನ್ನು ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಸಿಕೊಂಡಿರುತ್ತಾರೆ.

೫) ರಾಜಾಖಾರಕೋಶ -

• ಈ ಉತ್ತರವು ಪ್ರಸ್ತಾವಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ವಿಧಾನದಲ್ಲಿ "ಅನುಪೂರಣ" ಎಂದು ಅಂದಿನ ಮೂಲ ಗ್ರಹಗಳ ಸ್ಥಾನಗಳನ್ನು ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಸಿಕೊಂಡಿರುತ್ತಾರೆ. ಈ ಉತ್ತರವು ಪ್ರಸ್ತಾವಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ವಿಧಾನದಲ್ಲಿ "ಅನುಪೂರಣ" ಎಂದು ಅಂದಿನ ಮೂಲ ಗ್ರಹಗಳ ಸ್ಥಾನಗಳನ್ನು ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಸಿಕೊಂಡಿರುತ್ತಾರೆ. ಈ ಉತ್ತರವು ಪ್ರಸ್ತಾವಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಾಯೋಗಿಕ ವಿಧಾನದಲ್ಲಿ "ಅನುಪೂರಣ" ಎಂದು ಅಂದಿನ ಮೂಲ ಗ್ರಹಗಳ ಸ್ಥಾನಗಳನ್ನು ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಸಿಕೊಂಡಿರುತ್ತಾರೆ.

೬) ಶಿವಾರ್ಜ್ಯಭಿಷೇಕ ಕಲ್ಪತರು -

• ಈ ಉತ್ತರದಲ್ಲಿ "ಅನುಪೂರಣ" ಎಂದು ಅಂದಿನ ಮೂಲ ಗ್ರಹಗಳ ಸ್ಥಾನಗಳನ್ನು ನಿರ್ದಿಷ್ಟಿಸಿಕೊಂಡಿರುತ್ತಾರೆ.

महाकाव्यों के अन्य उत्तरी भारतीय लेखनों में शास्त्रीय ग्रन्थों के लिए

७) राजारामचरितम् -

शुद्धिकृत रामायण के लिए द्वितीय सर्वानन्दसंस्कृत रामायण (± 1689 वा 1700) रामायण के लिए

व) हिंदी साधने -

शुद्धिकृत रामायण के लिए द्वितीय सर्वानन्दसंस्कृत रामायण के लिए द्वितीय सर्वानन्दसंस्कृत रामायण के लिए द्वितीय सर्वानन्दसंस्कृत रामायण के लिए

१) शिवराज भूषण -

शुद्धिकृत रामायण के लिए द्वितीय सर्वानन्दसंस्कृत रामायण के लिए द्वितीय सर्वानन्दसंस्कृत रामायण के लिए द्वितीय सर्वानन्दसंस्कृत रामायण के लिए

२) छत्रप्रकाश -

शुद्धिकृत रामायण के लिए द्वितीय सर्वानन्दसंस्कृत रामायण के लिए

क) राजस्थानी साधने -

१) मिश्चाराजे जयसिंहाची पत्रे -

शुद्धिकृत रामायण के लिए द्वितीय सर्वानन्दसंस्कृत रामायण के लिए

३) अंगतक्षु राजवंशाद्यावेद उत्तरे ग्रन्थे विश्वा विश्वामी राजवंशाद्यावेद उत्तरे ग्रन्थे विश्वा विश्वामी

२) महाराजा जसवंतसिंहाची पत्रे -

४) अंगतक्षु राजवंशाद्यावेद उत्तरे ग्रन्थे विश्वा विश्वामी

५)

३) कानडी साधने -

१) कंठीरवनर सराजविजयम -

५) अंगतक्षु राजवंशाद्यावेद उत्तरे ग्रन्थे विश्वा विश्वामी

६)

२) केळदिननृपविजयम व विन्लपी -

५) अंगतक्षु राजवंशाद्यावेद उत्तरे ग्रन्थे विश्वा विश्वामी

७)

३) कागदपत्रे -

५) अंगतक्षु राजवंशाद्यावेद उत्तरे ग्रन्थे विश्वा विश्वामी

४) शकावली -

«ग्रन्थालय उत्तराखण्ड के एक जिला अधिकारी ने उत्तराखण्ड में ग्रन्थालयों की संख्या को बढ़ावा दी है। उत्तराखण्ड के अन्य जिलों ने इसकी अपील की है। यहाँ जिलों की संख्या तीन से तीन गुना तक बढ़ावा दी जा रही है।

५) आज्ञापत्रे -

«ग्रन्थालयों की संख्या उत्तराखण्ड में बढ़ावा दी जा रही है। इसकी वजह से जिलों की संख्या तीन से तीन गुना तक बढ़ावा दी जा रही है। यहाँ जिलों की संख्या तीन से तीन गुना तक बढ़ावा दी जा रही है।

६) बखरी -

«उत्तराखण्ड के जिलों की संख्या बढ़ावा दी जा रही है। यहाँ जिलों की संख्या बढ़ावा दी जा रही है। यहाँ जिलों की संख्या बढ़ावा दी जा रही है।

अ) कलमी बखर -

«ग्रन्थालयों की संख्या बढ़ावा दी जा रही है। यहाँ जिलों की संख्या बढ़ावा दी जा रही है। यहाँ जिलों की संख्या बढ़ावा दी जा रही है।

ब) सभासद बखर

‡३०१६९७ राज्यपालीका कानून विभाग द्वारा भवानीपुराण के
त्रिपुरा कानून अधिकारी ने योग्यता प्रमाणित किए

क) शिलालेख -

३०१८०३ राज्यपालीका द्वारा भवानीपुराण के योग्यता प्रमाणित किए
जाने के अनुसार यह शिलालेख त्रिपुरा कानून अधिकारी द्वारा
भवानीपुराण के अधिकारी द्वारा त्रिपुरा कानून अधिकारी द्वारा

ड) पोवाडे -

३०१८०४ राज्यपालीका द्वारा योग्यता प्रमाणित किए जाने के अनुसार यह
शिलालेख त्रिपुरा कानून अधिकारी द्वारा त्रिपुरा कानून अधिकारी द्वारा

इ) नाणी व शास्त्रे -

३०१८०५ राज्यपालीका द्वारा योग्यता प्रमाणित किए जाने के अनुसार यह
शिलालेख त्रिपुरा कानून अधिकारी द्वारा त्रिपुरा कानून अधिकारी द्वारा